

खूबसूरत बिल्डिंगों से सजा आधुनिक शहर... चमचमाती रोशनी... साफ-सुथरी सड़क... तेज जिदी और एक भूकम्प... खूबसूरत शहर का एकानेक खाक हो जाना... यह मंजर सोचकर ही भयावह लगता है, लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के नामांकों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। अपनी जीवटा के कारण वे हर तृफान के बाद शहर की बदशखत ही चुकी शक्ति को पहले से ज्यादा मंदर बना देते हैं।

फोर डी जैसी ऑस्कर विनिंग फिल्म में प्रिंसेस फियोना का साथ दे सकते हैं।

यहीं सारी फिल्में इंटरेक्टिव सेवकशन में रखी गई हैं। जैसे शार्क थीड़ी फिल्म है, लेकिन यहीं उसे फोर थीड़ी का रूप देकर नन्हे मेहमानों के लिए खास डायरेंसेन बनाया गया है। शार्क की ही तरह यहीं 'रिवेंज ऑफ द मगी', कियर फैक्टर लाइव, मेन इन ब्लैक, इंटी एडवेंचर' जैसी फिल्में इंटरेक्टिव सेवकशन में शामिल हैं।

आज हम आपकी मूलाकात करा रहे हैं, फ्लोरिडा को खास पर्यटन नगरिया ओरलैंडो से। ओरलैंडो की आवादी मात्र दो लाख है, लेकिन यहाँ हर साल लगभग पाँच करोड़ पर्यटक आते हैं। पर्यटकों की खासी आवाजाही ने इस उपनगर को महानगर जैसा रूप दे दिया है। हीटलों की दृष्टि से यह अमेरिका का दूसरा बड़ा शहर है। ओरलैंडो को पाप यूजिक की राजधानी भी माना जाता है। यहाँ का रोक यूजिक काफी लोकप्रिय है। रात का सुसर्वई और थारा आते ही यहाँ के पव और डिस्काउथेक रोशन हो जाते हैं। यहाँ के लाइव रोक बैंड इस माहील में चार चौंद लगा देते हैं।

आकर्षणः- वंडर वर्क्स :
फ्लोरिडा में बार-बार तुफान आते हैं। इन तुफानों से प्रेरणा लेकर ओरलैंडो वासियों ने एक अनुठे भवन का निर्माण करवाया है और उसे नाम दिया है - वंडर वर्क्स। यहाँ के इंटरेनशनल ड्राइव मार्ग पर बनी यह इमारत सभी का ध्यान खींचती है। बिल्डिंग को देखते ही महसूस हो जाता है कि इसे वह नाम क्यों दिया गया। बिल्डिंग को पूरी तरह उल्टा बनाया गया है।

इसकी छत नीचे और नींव कपर है। इसे एक नज़र देखने के बाद महसूस होता है कि तेज़ तृप्तीनान ने इसे जड़ से उखड़ा पेढ़ की तरह उखाड़ा फेंका है। आप इस विलिंग के बाहरी स्वरूप को देखकर ही ठिक़ जाएंगे, लेकिन जरा अंदर जाइए, जनावर। विलिंग के अंदर आपके लिए काफ़ी कुछ है। कम्प्यूटर के इस युग में यहाँ हर चीज़ तकनीक से सजी है। यहाँ एक खास कमरे में आप धूकूप या तृफान के समय होने वाले कमरे को महसूस कर सकते हैं। बच्चों के लिए यहाँ खासी भौतिक चीज़ों को भांडार है।

वॉटर पार्क - कछु
एक साइटिंग और
एडजेंसीस क्षणित तो
डिजनी लैंड का वॉटर
पार्क आपकी सही
मजिल है। यहाँ कई फन
पैकड वॉटर राइड्स हैं।

इंयर इंव और स्वतंत्रता दिवस के दिन खासमौर पर फायर वर्कर्स डे मनाया जाता है। इस दिन ओरलैंडोवासी 'दीवाली' की तरह रोशन रात का जश्न मनाते हैं। सरकार की तरफ से खास आयोजन किए जाते हैं, जिन्हें देखने दूर-दूर से लोग आते हैं।

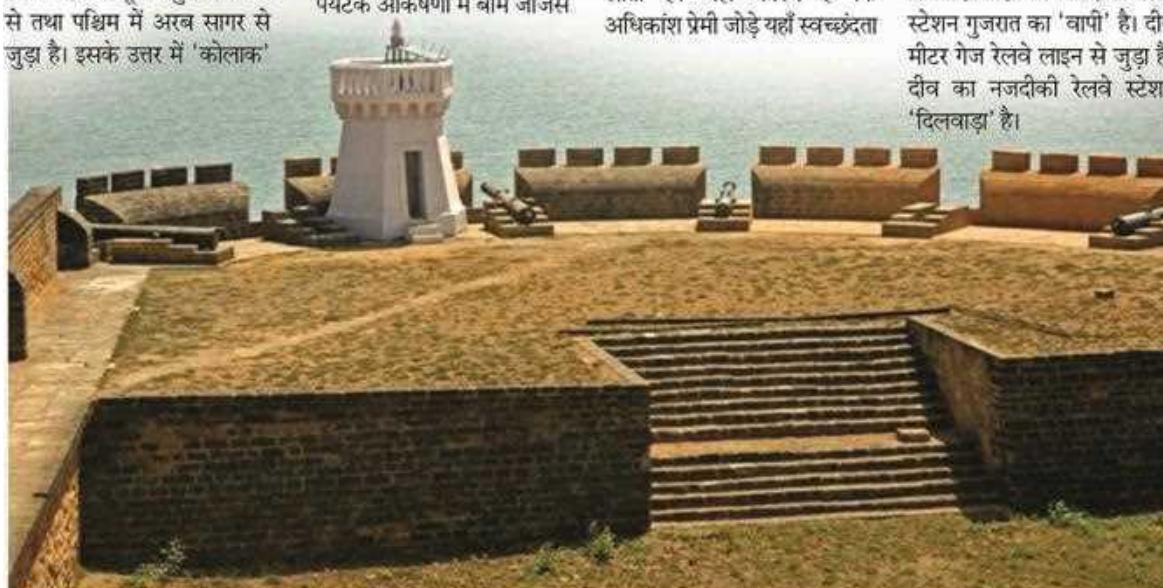
कब जाईं - ओरलैंडो जाने के लिए जुलाई-अगस्त का मौसम सबसे अच्छा है। 'समर' यहाँ का पीक मौसम है। इस समय पर्टटोकों की भीड़ इस शहर को धेर लेती है। 4 जुलाई के दिस समय आप यहाँ अमेरिका को ओरलैंडो बैहद खुबसूरत लाल सफद रंग में निहार सकते हैं।

कैसे जाएं - आप अमेरिका दिल्ली या मुंबई से सीधी उड़ान सकते हैं। इस शहर में हाल खासा जाल विभाग हुआ है और ओरलैंडो इंटरनेशनल पर्सनल सेंटर मोर्ड इंटरनेशनल पर्सनल एवं विदेश की करीब साठ पर्सनल

दमन और दीव दो सुंदर छीप

भ रत के केंद्रशासित प्रदेशों में दमन और दीव भी है। अब सागर की अपार-अगाध जलराशि ने इन्हें व्यापार और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बना दिया है। हालाँकि ये बहुत छोटे-छोटे द्वीप हैं, परंतु इनकी प्राकृतिक सुंदरता, विविध संस्कृतियों का मेल व सुंदर समुद्र तटों ने इन्हें असीम खूबसूरी से नवाज़ है। गुजरात व महाराष्ट्र राज्य की नजदीकी ने यहाँ के पर्यटन को फलने-फूलने का पूरा भौका दिया। बहुत समय तक दमन और दीव पर पुर्तगालियों का शासन था। उसके बाद इसके पुर्तगालियों से आजाद कराकर गोआ में मिला दिया गया। वर्ष 1987 में इसे एक अलग केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया।

दमन और दीव की स्थिति :
भारत के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र
मुंबई से दमन की दूरी लगभग 193
कि.मी. है। यह पूर्व में गुजरात राज्य
से तथा पश्चिम में अरब सागर से
जड़ता है। इसके उत्तर पर "दोलाल"



तूफानों के बीच धीम पार्क की सुंदर दुनिया



दिन यहाँ
स्वतंत्रता
दिव स
मनाया
जाता है।

इस समय आप यहाँ लोकतात्त्विक अमेरिका को ओरलैंडों की नजर से बेहद खबरसूत लाल-नीले और सफ़ेद रंग में निहार सकते हैं।

कैसे जाएं- आप अमेरिका के लिए दिल्ली या मुंबई से सीधी फ्लाइट ले सकते हैं। इस शहर में हवाई यात्रा का खास जाल विद्या हुआ है। यहाँ की ओरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सेन्टरफोर्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश-विदेश की करीब साठ एयरलाइंस से

की तलाश में आते हैं। तैराकी के लिए भी यह बीच बहुत अच्छा स्थान है।

कथा है दीव में : सेट पॉल चर्च, दीव फोर्ट, पनीकोटा फोर्ट, घोथला बीच, चिल्ड्रन पार्क और समर हाउस यहाँ के मुख्य पर्वतन स्थल हैं।

दीव के दीव:

नगोआ दीव : यह दीव का बेहद ही सुंदर दीव है। दीव से 20 मिनट की ड्राइव करके आप आसानी से यहाँ पहुँच सकते हैं। जू?ते के आकार के समान होने के कारण 2 किमी तक फैला यह द्वीप अब पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है।

वक्रतीर्थ शीघ्र : यह बीच हरियाली के सौंदर्य से भरपूर है। इस बीच के आसपास स्थित सुन्दर वर्गीचे, खुला स्टेडियम इसे पर्यटकों के लिए फुल इंजीयमेंट का स्थान बनाता है।

दमन और दीव की जलवायु वर्षभर पर्यटकों को आकर्षित करती है किंतु यहाँ आने का उपर्युक्त मौसम अक्टूबर से मई तक का है।

मार्ग की लंबाई : दमन में 191 किमी का सड़क मार्ग है तथा दीव में 78 किमी तक लंबा सड़क मार्ग है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन : दमन पश्चिम रेलवे के दिल्ली-मुंबई रूट पर स्थित है। यहाँ का नजदीकी रेलवे स्टेशन गुजरात का 'बापी' है। दीव मीटर गेज रेलवे लाइन से जुड़ा है। दीव का नजदीकी रेलवे स्टेशन 'विन्हास' है।

दर्जीलिंग और सिविकमः हरियाली और रास्ता



Rस्ता ही मानो खाव था दिली से बागडोगरा की फ्लाइट थी। जैसे ही बागडोगरा के एमरपोर्ट पर उतरे, तैयार खड़ी गाड़ी से शुरू हुआ दार्जीलिंग का सफर। बातवरण में चिपचिपाहट भरी उमस थी। लगा कि यहाँ आने का निर्णय गलत तो नहीं? लेकिन जैसे-तैसे कोर्सियांग नजदीक आने लगा, हरियाले पर्वत व ठंडी हवा अपना असर दिखाने लगे। बागडोगरा से कोर्सियांग होते हुए दार्जीलिंग का सफर करीब साढ़े तीन घंटे का था। दार्जीलिंग के लोकल सीन गंगा मैया, जापानी मर्दिर, म्यूजियम बैरीह तो दशनीय थे ही, लेकिन वहाँ से करीब दो घंटे की दूरी पर स्थित मिरिक झील तक पहुँचने का रास्ता ही मानो खाव जैसा था। हल्के हरे गलीचे की तरह बिछे चाय के खेत और गहरे हरे पर्दे की तरह खड़े कौचे पाइन ट्री किसी पोस्टर का-सा आभास दे रहे थे। बहुत के दूर पर के बातों से लगातार चिरों

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धारों में यमनोत्री का भी स्थान है। आइए, हम अपने शब्दों के माध्यम से आपको यमनोत्री की सौर करवाते हैं। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय के खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद